PAPER-III
ANTHROPOLOGY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________

(In words)

J	0	7	1	1

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

ANTHROPOLOGY

मानवविज्ञान

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस–बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Discuss the role of Anthropology in health and population control.
स्वास्थ्य तथा जनसंख्या नियन्त्रण में मानव विज्ञान की भूमिका की विवेचना कीजिए ।

OR/अथवा

Discuss the latest trends in anthropological methodology and techniques.
मानवविज्ञान सम्बन्धी पद्धतियों तथा तकनीकों में नवीनतम प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिये ।

OR/अथवा

What do you understand by biocultural process of human evolution ? Discuss.
मानवीय उद्‌विकास की जैव सांस्कृतिक प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं ? विवेचना कीजिये ।

2. Discuss the relevance of applied anthropology in human welfare in twenty-first century.
बीसवीं शताब्दी में मानव कल्याण में अनुप्रयुक्त मानवविज्ञान की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिये ।

OR/अथवा

Compare the relative and absolute methods of dating and write any one principle of absolute dating.
काल (अथवा तिथि) निर्धारण की सापेक्षिक तथा निरपेक्ष विधियों की तुलना कीजिये और निरपेक्ष तिथि निर्धारण का कोई एक सिद्धान्त लिखिये ।

OR/अथवा

Discuss the various methods of studying human growth.
मानव संवृद्धि का अध्ययन करने की विधियों की विवेचना कीजिये ।

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / विकल्प – I
Physical Anthropology

3. Discuss hominization process with suitable examples.
मानवीकरण प्रक्रिया की उपयुक्त उदाहरणों सहित विवेचना कीजिये ।

4. Describe the role of dermatoglyphies in paternity disputes.
पैतृत्व विवादों में चर्मरेखा शास्त्र (त्वचारेखिकी) की भूमिका का वर्णन कीजिये ।

5. Critically examine the phylogenetic position of cromagnon.
क्रोमैगनान की जातिवृत्तिक स्थिति की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिये ।

Elective – II / विकल्प – II
Social-Cultural Anthropology

3. Discuss various attributes of the anthropological concept of culture.
संस्कृति की मानवविज्ञानीय अवधारणा की विभिन्न विशेषताओं की विवेचना कीजिये ।

4. Examine the contribution of Margaret Mead to culture and personality studies.
संस्कृति तथा व्यक्तित्व अध्ययनों में मार्गारेट मीड के योगदान की परीक्षा कीजिये ।

5. Discuss the functioning of legislations aimed at tribal land alienation problem.
जनजातीय भूमि वियोजन समस्या के सम्बन्ध में बनाये गये कानूनों की कार्यकारिता की विवेचना कीजिये ।

Elective – III / विकल्प – III
Prehistoric Anthropology

3. Discuss why Neolithic is considered as a period of cultural revolution.
नवपाषाणीय काल सांस्कृतिक क्रान्ति का काल क्यों समझा जाता है, विवेचना कीजिये ।

4. Discuss why quarternary period may be considered as framework for human cultural development.
विवेचना कीजिये कि चतुर्थ कल्प मानवीय सांस्कृतिक विकास के लिये रूपरेखा क्यों समझा जा सकता है ?

5. Explain the importance of language for the development of culture among early man.
आरम्भिक मानव के मध्य संस्कृति के विकास के लिये भाषा के महत्त्व की व्याख्या कीजिये ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Characteristics of Negroid race.
   नीग्रायड प्रजाति के लक्षण ।

7. Differences between old world monkeys and new world monkeys.
   पुरानी दुनियां के बन्दरों तथा नई दुनियां के बन्दरों के बीच अन्तर ।

8. Finger print patterns.
अँगुली छाप रूप ।

9. Megalithic types in India.
भारत में महापाषाणिक प्रकार ।

10. Purpose of cave art in Europe.
यूरोप में गुफा कला का उद्देश्य ।

11. Importance of microliths.
लघु पाषाणिक उपकरणों का महत्त्व ।

12. Culture as superorganic.
अधिजैव के रूप में संस्कृति ।

13. Significance of restudies in Anthropology.
मानवविज्ञान में पुन: अध्ययन का महत्त्व ।

14. Folk-urban continuum.
लोक-शहरी सांतत्य ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This sections contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Illness and death are significant events for people everywhere. No one is spared. So it should not be surprising that how people understand the causes of illness and death, how they behave, and what resources they marshal to cope with these events are extremely important parts of culture. Some argue that we will never completely understand how to treat illness effectively until we understand the cultural behaviours, attitudes, values, and the larger social and political milieux in which people live. Others argue that society and culture have little to do with the outcome of illness – the reason that people die needlessly is that they do not get the appropriate medical treatment.

But anthropologists, particularly medical anthropologists, who are actively engaged in studying health and illness, are increasingly realizing that biological *and* social factors need to be considered if we are to reduce human suffering. For instance, some populations have an appalling incidence of infant deaths due to diarrhoea. The origin of this situation is mostly biological, in the sense that the deaths are caused by bacterial infection. But why are so many infants exposed to those bacteria ? Usually,

the main reason is social. The affected infants are likely to be poor. Because they are poor, they are likely to live with infected drinking water. Similarly, malnutrition may be the biological result of a diet poor in protein, but such a diet is usually also a cultural phenomenon, reflecting a society with classes of people with very unequal access to the necessities of life. In many ways, therefore, medical anthropology, and anthropology in general, are developing in the direction of a "biocultural synthesis".

Medical anthropology is part of this developing synthesis. Indeed, the growth of jobs in medical anthropology is one of the more striking developments in contemporary anthropology. Medical anthropology has developed into a very popular specialty, and the Society for Medical Anthropology is now the second largest unit in the American Anthropological Association.

The medical profession's ways of treating illness may be able to treat some conditions well, but by itself the medical profession cannot tell us why some groups are more affected than others, or why the effectiveness of treatment varies from group to group.

Discovering the health-related beliefs, knowledge and practices of a cultural group – its **ethnomedicine** – is one of the goals of medical anthropology. How do cultures view health and illness ? What are their theories about the causes of illness ? Do those theories impact on how illnesses are treated ? What is the therapeutic process ? Are there specialized medical practitioners, and how do they heal ? Are there special medicines, and how are they administered ? These are just some of the questions asked by the anthropological study of ethnomedicine.

सभी स्थानों में, रोग और मृत्यु लोगों के लिये महत्त्वपूर्ण घटनायें होती हैं । इससे कोई नहीं बचा है । इसलिये यह हैरानी की बात नहीं होनी चाहिये कि रोग और मृत्यु के कारणों को लोग किस प्रकार समझते हैं, किस प्रकार वे व्यवहार करते हैं और इनका मुकाबला करने में वे किन संसाधनों का उपयोग करते हैं । यह सब संस्कृति के महत्त्वपूर्ण अंग हैं । कुछ लोग बहस करते हैं कि हम कभी भी यह पूरा नहीं समझ पायेंगे कि जब तक हम सांस्कृतिक व्यवहार, अभिवृत्तियों, मूल्य और ज्यादा व्यापक सामाजिक तथा राजनीतिक व्यवस्था जिसमें कि हम रहते हैं को समझ नहीं लेते हैं, तब तक रोग को किस प्रकार प्रभावपूर्ण ढ़ंग से लेना चाहिये । अन्य लोग बहस करते हैं कि समाज और संस्कृति का रोग/बिमारी के परिणाम के साथ थोड़ा ही वास्ता होता है लोग योंही मर जाते हैं, कारण है कि वे समुचित आयुर्विज्ञानीय चिकित्सा नहीं करवा पाते हैं ।

परन्तु मानवविज्ञानी, विशेष रूप से भेषजीय मानवविज्ञानी जो स्वास्थ्य तथा रोग का अध्ययन कर रहे हैं, ज्यादा से ज्यादा समझने लगे हैं कि यदि हमें मानव की वेदना को कम करना है तो जैविक तथा सामाजिक कारकों को समझना आवश्यक है । उदाहरण के लिये कुछ जनसंख्याओं में डायरिया के कारण शिशु मृत्यु का भयंकर प्रभाव देखने को मिलता है । इस स्थिति का उद्‌भव अधिकांशत: जैविक होता है, अर्थात्, जीवाणु संक्रामण (या संदूषण) के द्वारा मृत्यु होती है । परन्तु इतने सारे शिशु जीवाणु से क्यों प्रभावित होते हैं ? सामान्यत: मुख्य कारण सामाजिक होता है । प्रभावित शिशु गरीब परिवार के हो सकते हैं । क्योंकि वे गरीब हैं, तो उन्हें संक्रामिक पेय जल का उपयोग करना पड़ सकता है । इसी तरह से, कुपोषण कम प्रोटीन युक्त आहार का जैविक परिणाम हो सकता है, परन्तु ऐसा आहार सामान्यत: सांस्कृतिक परिदृश्य भी होता है, जो कि ऐसे व्यक्तियों के समाज को प्रकट करता है जहाँ जीवन की आवश्यक वस्तुओं तक पहुँच बहुत असमान है । अत: भेषजीय मानवविज्ञान और सामान्य मानवविज्ञान "जैव सांस्कृतिक संश्लेषण" की दिशा की ओर विकसित हो रहे हैं ।

भेषजीय मानव विज्ञान, विकसित हो रहे इस संश्लेषण का ही अंश है । निस्संदेह, भेषजीय (आयुर्विज्ञानीय) मानव विज्ञान के क्षेत्र में नौकरियों की वृद्धि समकालिक मानव विज्ञान में एक बहुत चमत्कारिक घटना ही है । भेषजीय मानव विज्ञान बहुत लोकप्रिय विशिष्टता में विकसित हो गया है, और भेषजीय मानव विज्ञान संस्थान अब अमेरिकन मानव विज्ञानीय संघ की दूसरी बड़ी इकाई है ।

रोग की चिकित्सा करने के भेषजीय व्यवसाय के तरीके कुछ स्थितियों का इलाज ठीक कर सके, परन्तु भेषजीय व्यवसाय स्वयं से हमें नहीं बता सकता है कि कुछ समूह अन्य की तुलना में क्यों ज्यादा प्रभावित होते हैं, अथवा क्यों चिकित्सा की प्रभावपूर्णता भिन्न समूहों में भिन्न-भिन्न होती है । सांस्कृतिक समूह की स्वास्थ्य-सम्बन्धित धारणाएँ, ज्ञान तथा प्रथाओं – उसकी प्रजातीय औषध – आज भेषजीय मानव विज्ञान का एक लक्ष्य है । स्वास्थ्य तथा बीमारियों को भिन्न संस्कृतियाँ किस प्रकार देखती हैं ? बीमारियों के कारणों के बारे में उनके क्या सिद्धान्त हैं ? क्या उन सिद्धान्तों का किस प्रकार बीमारियों का इलाज किया जाता है पर प्रभाव पड़ता है ?

चिकित्सीय प्रक्रिया क्या है ? क्या विशेषीकृत भेषजीय व्यवसायी हैं, और वे किस प्रकार रोग को ठीक करते हैं ? क्या कोई विशेष दवाएँ हैं, और वे किस प्रकार खिलाई जाती हैं ? यह कुछ प्रश्न हैं जो कि प्रजातीय औषध के मानव विज्ञानीय अध्ययन द्वारा किये जाते हैं ।

15. Write about the aim of medical anthropology.
भेषजीय मानव विज्ञान के लक्ष्य के बारे में लिखिये ।

16. Malnutrition may be the result of both biological and cultural phenomena – Justify.
कुपोषण जैविक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य दोनों का परिणाम हो सकता है – उदाहरण के साथ उचित सिद्ध कीजिये ।

17. Elaborate the concept of ethnomedicine.
प्रजातीय औषध की अवधारणा को विस्तार से स्पष्ट कीजिये ।

18. Why the effectiveness of treatment varies from group to group ?
चिकित्सा (या इलाज) की प्रभावपूर्णता भिन्न समूहों में अलग-अलग क्यों है ?

19. Explain with example that biological and cultural factors are to be considered to reduce human sufferings.
मानवीय वेदना को कम करने के लिये जैविक तथा सांस्कृतिक कारकों दोनों पर विचार करना चाहिये, सोदाहरण व्याख्या कीजिये ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....